ठंड- सालाना रोकी जा सकने वाली आपदा

ठंड का मौसम एक ऐसा मौसम होता है जिसका हम में से अधिकांश लोग चिलचिलाती गर्मी के बाद इसका इंतजार कर रहे होते हैं. एक गर्म कंबल लपेटे हों, हाथ में एक गर्म चाय की प्याली हो और ऊपर से गुनगुनाती धूप.. हालांकि हम सबसे अच्छी क्वालिटी की महंगी वाली जैकेट्स, शॉल और स्कार्फ का इस्तेमाल करते हैं वहीं सड़कों पर, पुलों के नीचे और बाहर खुले में रहने वाली एक बहुत बड़ी आबादी को सर्दी बहुत डराती है. हमारे घरों में काम करने वाले, सड़कों को बनाने वाले मजदूर, सड़क पर सब्जी बेचने वाले और फ्लाईओवर के नीचे अपना जीवन बसर करने वाले लोगों के लिए ये ठंड एक दुखद सपने के समान है जो हर साल आता है. हम सभी ने चक्रवात, बाढ़, भूकंप और कोविद के दौरान चलने वाले राहत कार्यों में अपना योगदान दिया है बावजूद इसके सर्दियों में हम बहुत लोगों को खो देते हैं. ऐसे में हम लोगों को आपदा को लेकर उनकी बनी बनाई परिभाषा बदलने को कहते हैं.. सच मायने में ठंड एक ऐसी आपदा है जिसे हम सब मिलकर रोक सकते हैं.. गूंज का ऐसा मानना है कि 'ठंड लोगों को नहीं मारती बल्कि कपड़ों की कमी से जान जाती है', इसलिए ठंड के दिनो में गूंज की तरफ से चलाये जा रहे अभियान 'ओढ़ा दो जिंदगी' में आप भी शामिल हों..
आशा और दया के भाव से भरे नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं..
टीम गूंज

मुख्य बिंदु (अप्रैल 2020 से 28 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में, 18 मिलियन किलोग्राम से अधिक राशन और अन्य आवश्यक समान, 370,000 किलोग्राम से अधिक की ताजी सब्जियां और फल, 1.70 मिलियन से अधिक फेस मास्क, 2.30 मिलियन से अधिक कपड़े के बने सैनिटरी पैड, चिकित्सा : पीपीई किट्स, मेडकल किट्स, ऑक्सीजन सिलेंडर व ऑक्सीजन कंसंट्रेटर)

ओढ़ा दो जिंदगी

क्या:

हमारा सालाना शीतकालीन अभियान।
क्यों:

हर साल आने वाली सर्दियों को अनुमानित और आसानी से हल होने वाली आपदा के रूप में लोगों के सामने रखना. लोगों को ये बताना और समझाना कि सर्दियों में लोग इसलिए परेशान होते और मरते हैं क्योंकि उनके पास इससे बचने के लिए पर्याप्त कपड़े नहीं होते..

कैसे:
हर साल अक्टूबर से लेकर मार्च के महीने तक, गूंज अपनी 'फैमिली किट' को 'विंटर किट' के रूप में बदल देती है जिसमें ऊनी मोजे, कंबल, सुजनी, स्वेटर और दूसरी जरूरी आवश्यक चीजें शामिल होती हैं.

इस विंटर किट को देश के अलग-अलग समुदाय तक पहुंचाया जाता है जिससे कि वो ठंड का सामना करते हुए जीवित रह सकें. इसके लिए हम शहरों में रहने वाले लोगों से उनके ठंड वाले अतिरिक्त कपड़े, मोजे, कोट, मफलर, कंबल जैसी गरम चीजों का योगदान करने के लिए प्रेरित करते हैं. एकत्रित सामग्री को गूंज के विंटर किट में शामिल करते हुए इसको डिग्निटी फाॅर वर्क यानि DFW पहल के माध्यम से लोगों में वितरित किया जाता है। लोगों की गरिमा का ख्याल करते हुए हम पूरे भारत में लोगों को उनकी स्थानीय समस्याओं को चिन्हित करने और उस पर काम करने के लिए प्रेरित करते हैं.

इस प्रेरणा के बाद लोगो द्वारा सड़क बनाने से लेकर तालाब की सफाई, बांस के पुल बनाने से लेकर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण तक का काम हुआ है और वो भी आपसी सूझबूझ, खुद के प्रयास और स्थानीय संसाधन की बदौलत. उनके इस प्रयासों के बाद उनको विंटर किट के साथ पुरस्कृत किया जाता है जो

इस प्रक्रिया में गरिमा को जोड़ने का काम करता है. महामारी के पिछले 2 वर्षों में हमने अपने सर्दियों में काम के पैमाने और इसके प्रसार में तेजी से वृद्धि की है क्योंकि लोग नौकरी छूटने, प्राकृतिक आपदाओं और स्वास्थ्य खर्चों के कई संकटों का सामना कर रहे हैं, जिससे उनके अस्तित्व के लिए संघर्ष और भी कठिन हो गया है।

कौन:

महामारी ने पहले से ही हाशिये पर पड़े लोगों के जीवन को बहुत खराब कर दिया है। हमारा ध्यान सबसे अधिक छूटे हुए समुदायों जैसे आदिवासी, प्रवासी श्रमिक, ट्रांसजेंडर, यौनकर्मी, विकलांग, एचआईवी/एड्स वाले लोग, कुष्ठ पीड़ित, कलाकार और कारीगर इत्यादि पर भी है।

2022 के लिए एक विचार

1 से 7 जनवरी तक हम कपड़ा सप्ताह मनाएं..

और सप्ताह के हर एक दिन कपड़े का एक टुकड़ा दें।

कार्य क्षेत्र से जानकारी (राहत कोविड, चक्रवात यास,

ताउते , अम्फान,निसर्ग , निवार, असम और बिहार बाढ़)

प्रकार	अप्रैल 2020 - मार्च 2021	अप्रैल 2021 - दिसंबर2021	कुल / total
प्राथमिक सहयोग			

• राशन और अन्य आवश्यक सामग्री चैनेलाइज्ड • परिवारों तक पहुंच • तैयार भोजन उपलब्ध कराया गया	9.4+ मिलियन किलो 461,000+ 360,000+	8.6+ मिलियन किलो 318,000+ 134,000+	18+ मिलियन किलो 779,000+ 494,000+
स्वच्छता पहल • चेहरे का मास्क • माय पेड (कपड़े से बने सेनेटरी पेड)	 875,000+ 1,300,000+	 830,000+ 1000,000+	 1.70+ मिलियन 2.3+ मिलियन
साझेदारी में • हम जिन संगठनों के साथ काम कर रहे हैं, • हम जिन राज्यों में काम कर रहे हैं	 500+ 27	 650+ 28	
सब्जियां/फल सीधे किसानों से प्राप्त	225,000+ किग्रा	145,000+ किग्रा	370,000+ किग्रा
डी एफ डब्ल्यू (DFW)परियोजनाएं • किचन गार्डन बनाये गए • जल संसाधन परियोजनाएं - तालाब - नहर - निजी स्थान/बाथरूम बने/मरम्मत किए गए	10,500+ 1,500+ 450+ 870+ 1,130+	6,200+ 910+ 200+ 420+ 450+	16,700+ 2,410+ 650+ 1,290+ 1,580+
चिकित्सा हस्तक्षेप (अप्रैल 2021 से आगे)			

• नॉट अलोन (केयर गिविंग सेंटर) • फैमिली मेडिसिन किट • हेल्थ केयर गिवर कॉम्प्रिहेंसिव किट • PPE किट ऑक्सीजन सिलेंडर / सांद्रक		20+ 90,000+ 14,500+ 32,500+	

हमारा साथ दें:

- सामग्री सहयोग के रूप में- https://bit.ly/2yR000h
- राशि सहयोग के लिए - goonj.org/donate
- गूँज के लिए फण्ड रेजिंग कैंपेन शुरू करने के लिए हमें jibin@goonj.org पर मेल करें

। • पिछली डिग्निटी डायरी पढ़ने के लिए यहाँ क्लिक करें: http://bit.ly/2K1JH3e

संपर्क करे:

मुख्यालय : J-93, सरिता विहार, नई दिल्ली - 76

011-26972351/41401216

www.goonj.org

mail@goonj.org